देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 22.04.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- केदारनाथ धाम के कपाट आज सुबह आठ बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 59 करोड़ 72 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की।
- खेल मंत्री रेखा आर्या ने 24 घंटे के भीतर 39वें राष्ट्रीय खेलों में खिलाड़ियों की तैयारी बेहतर बनाने के लिये कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।
- प्रदेश के खेल महाविद्यालयों में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू।

केदारनाथ कपाट

रुद्रप्रयाग ज़िले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट आज सुबह आठ बजे वैदिक मंत्रोच्चार और विधि–विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए जाएंगे। कपाट खुलने के मौके पर देश–विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु धाम पहुंच चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी इस अवसर पर धाम पहुंचकर पूजा–अर्चना में शामिल होंगे।

कपाट खुलने के अवसर पर केदारनाथ धाम को भव्य रूप से सजाया गया है और पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल बना हुआ है। इससे पहले बाबा केदार की पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली भक्तों के जयकारों के बीच धाम पहुंच चुकी है।

केदारनाथ सभा के वरिष्ठ तीर्थ पुरोहित उमेश चंद पोस्ती ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रुद्रप्रयाग जिला प्रशासन और बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति द्वारा सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यात्रा मार्ग और धाम में व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

वहीं, राजस्थान के अजमेर से आए श्रद्धालु शेर सिंह ने बताया कि यात्रा मार्ग और धाम में प्रशासन की ओर से व्यापक प्रबंध किए गए हैं।

तैयारियां

उधर, भगवान बदरी विशाल के कपाट कल सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर विधि–विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। कपाट खुलने को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

बद्री–केदार मंदिर समिति के अनुसार आज योग बदरी पांडुकेश्वर से भगवान उद्धव और कुबेर की डोली, आदि गुरु शंकराचार्य की गद्दी के साथ बदरीनाथ धाम पहुंचेगी।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए चमोली जिला प्रशासन ने स्वास्थ्य, पेयजल और यातायात सहित सभी जरूरी व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। सुरक्षा के दृष्टिगत प्रमुख मार्गों और जिले की सीमाओं पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है, ताकि यात्रा सुचारु और सुरक्षित ढंग से संचालित हो सके।

वित्तीय स्वीकृति

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 59 करोड़ 72 लाख रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इन योजनाओं का उद्देश्य आधारभूत ढांचे को मजबूत करना, पेयजल सुविधाओं में सुधार करना और बाढ़ सुरक्षा कार्यों को आगे बढ़ाना है।

स्वीकृत योजनाओं में चम्पावत के तामली क्षेत्र की पेयजल योजना, देहरादून के हरभजवाला में आसन नदी के किनारे पुश्ता निर्माण और ऊखीमठ नगर पंचायत पेयजल योजना शामिल हैं। इसके अलावा देहरादून और उत्तरकाशी में नदियों के किनारे बाढ़ सुरक्षा कार्यों के लिए भी धनराशि स्वीकृत की गई है।

चमोली जिले में जोशीमठ–नीति मार्ग पर क्षतिग्रस्त पैदल पुल के पुनर्निर्माण के लिए भी धनराशि जारी की गई है।

हल्द्वानी–काठगोदाम पेयजल योजना के लिए धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ ही चमोली जिले के भराड़ीसैंण स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में नए कक्षों के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है।

अर्बन चैलेंज फंड

राज्य के शहरी क्षेत्रों के विकास के लिए अर्बन चैलेंज फंड योजना को लागू करने की दिशा में काम तेज हो गया है। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार की अध्यक्षता में सचिवालय में हुई बैठक में नगर निकायों को इस योजना का अधिकतम लाभ उठाने के निर्देश दिए गए।

इस योजना के तहत नगर निकाय प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर अपनी परियोजनाएं तैयार कर केंद्र सरकार को भेजेंगे। योजना का उद्देश्य शहरों में आधारभूत ढांचे को मजबूत करना और उन्हें विकास के नए केंद्रों के रूप में विकसित करना है। इसके तहत जल और स्वच्छता, पुराने शहर क्षेत्रों के पुनर्विकास और शहरों को विकास केंद्र के रूप में विकसित करने से जुड़ी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

उत्तराखंड को पर्वतीय राज्य होने के कारण इस योजना में विशेष लाभ मिलने की बात कही गई है। इससे छोटे नगर निकाय भी बैंक ऋण और अन्य माध्यमों से विकास कार्यों को आगे बढ़ा सकेंगे। योजना के तहत

परियोजनाओं की लागत का एक हिस्सा केंद्र सरकार, राज्य सरकार और शेष हिस्सा अन्य वित्तीय माध्यमों से जुटाया जाएगा।

बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी नगर निकाय अपने–अपने क्षेत्रों की प्राथमिक परियोजनाएं चिन्हित कर समय पर प्रस्ताव तैयार करें और केंद्र को भेजें।

निर्देश / कार्ययोजना

खेल मंत्री रेखा आर्या ने आगामी 39वें राष्ट्रीय खेलों में राज्य के खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए गहन प्रशिक्षण देने और तैयारियों को मजबूत करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने पिछले वर्ष के मुकाबले इस वर्ष उत्तराखंड के पदकों की संख्या बढ़ाने पर विशेष ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए हैं। देहरादून में आयोजित समीक्षा बैठक में श्रीमती आर्या ने अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर राष्ट्रीय खेलों की तैयारी की विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने को कहा। इसके तहत खिलाड़ियों के लिए प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने, खेल संघों के साथ समन्वय बढ़ाने और राष्ट्रीय खेलों से पहले अधिक से अधिक राष्ट्रीय चैंपियनशिप उत्तराखंड में आयोजित कराने पर जोर दिया गया।

खेल मंत्री ने कहा कि यदि उत्तरी–पूर्वी राज्यों में कुछ खेलों के लिए आवश्यक आधारभूत संरचना की कमी है तो उन्हें उत्तराखंड में सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विचार किया जाए। बैठक में हल्द्वानी के गौलापार में बन रही स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की तैयारियों की भी समीक्षा की गई, जहां जुलाई से शैक्षिक सत्र शुरू करने की दिशा में काम तेज करने के निर्देश दिए गए।

आवेदन

उत्तराखंड के खेल महाविद्यालयों में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके तहत राज्य के प्रतिभाशाली बालक और बालिकाओं को खेल क्षेत्र में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक आवेदन कर सकते हैं।

राज्य के आवासीय खेल विद्यालयों में विद्यार्थियों को शुरुआती स्तर से ही पेशेवर प्रशिक्षण दिया जाता है। देहरादून स्थित महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबॉल, जूडो, हॉकी, वॉलीबॉल, शूटिंग, जिम्नास्टिक्स, तैराकी और आइस स्पोर्ट्स सहित कई खेलों में प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। पिथौरागढ़ के स्पोर्ट्स कॉलेज में एथलेटिक्स, फुटबॉल और बॉक्सिंग, जबकि चंपावत के बालिका स्पोर्ट्स कॉलेज में एथलेटिक्स, बैडमिंटन और बॉक्सिंग की ट्रेनिंग दी जाती है।

प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की आयु 11 से 13 वर्ष के बीच होनी चाहिए और उनका उत्तराखंड का स्थायी निवासी होना आवश्यक है। चयन प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता, खेल कौशल और प्रदर्शन के आधार पर चयन किया जाएगा।

पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 मई निर्धारित की गई है। अभ्यर्थी आवेदन के लिए ऑनलाइन या ऑफलाइन माध्यम का उपयोग कर सकते हैं।